Hindi Milap

dt 26/09/18.

डेली हिन्दी मिलाप, हैदराबाद | www.webmilap.com

हैदराबाताँ

2019 तक पूरी होगी प्रथम चरण की मेट्रो परियोजना

पुराने शहर पर अभी केवल सर्वे का वादा

हैदराबाद, 25 सितंबर

(एफ एम सलीम)

पुराने शहर को छोड़ हैदराबाद मेट्रो रेल का पहला चरण अगले वर्ष 2019 अंत तक पूरा कर लिया जाएगा। एचएमआर प्रबंध-निदेशक एन.वी.एस. रेड्डी ने पुराने शहर में मेट्रो को लेकर सकारात्मकता दिखाते हुए कहा कि यहाँ सर्वे और मार्किंग का कार्य शुरू हो चुका है। उन्होंने दावा किया कि मेट्रो के दूसरे चरण में शहर के पश्चिमी क्षेत्र (रायदुर्ग) से एयरपोर्ट को जोड़ने को प्राथमिकता दी जाएगी। इसकी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट शीघ्र तैयार होगी।

आज यहाँ संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए एनवीएस रेड्डी ने दावा किया कि हैदराबाद के सार्वजनिक परिवहन के क्षेत्र में यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने बताया कि एमजीबीएस से फलकनुमा तक के साढ़े पाँच किलोमीटर मार्ग को छोड़कर

कॉरिडोर-2 (जेबीएस-फलकनुमा) सहित संपूर्ण परियोजना वर्ष 2019 अंत तक पूरी कर ली जाएगी। उन्होंने कहा कि पुराना शहर इस परियोजना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। मुख्यमंत्री सर्वे शुरू करने के निर्देश दे चुके हैं। हालाँकि उन्होंने पुराने शहर में मेट्रो के निर्माण की तिथि या लक्ष्य की घोषणा नहीं की। उन्होंने कहा कि अमीरपेट से हाईटेक सिटी मार्ग के उद्घाटन के लिए आगामी 15 दिसंबर की तिथि तय है, लेकिन हाईटेक सिटी से रायदुर्गम तक का कार्य वर्ष 2019 तक पूरा कर लिया जाएगा।

एनवीएस रेड्डी ने कहा कि मियाँपुर-एल.बी. नगर मार्ग पर व्यस्त समय में 6.30 मिनट पर और अन्य समय में प्रति 8 मिनट पर एक ट्रेन का संचालन किया जायेगा। पहली ट्रेन सुबह 6.30 बजे और आख़री ट्रेन रात 10.30 बजे चलेगी। कोरियाई कंपनी से 57 ट्रेनें (171 कोच) आ चुके हैं। इसमें मियाँपुर-एल.बी. नगर मार्ग पर 19 एवं अमीरपेट-नागोल मार्ग पर 16 ट्रेनें चलायी जा रही हैं।

मेट्रो रेल कब लाभप्रद योजना होगी? इस पर एनवीएस रेड्डी और एलएण्टी मेट्रो रेल, हैदराबाद के प्रबंध-निदेशक केवीबी रेड्डी ने कहा कि जब तक परियोजना पूरी नहीं होती, इस बारे में कहना जल्दबाजी है। उन्होंने कहा कि सिंगापुर, ताईपाई और टोकियो के बाद हैदराबाद में इस तरह की मेट्रो का निर्माण किया गया है, जिसकी आय का आधार टिकट के अलावा प्रॉपर्टी डेवलपमेंट है। मेट्रो के अंतर्गत शॉपिंग माल एवं अन्य वाणिज्यिक निर्माण किये जा रहे हैं।

एनवीएस रेड्डी ने कहा कि हैदराबाद मेट्रो को इंजीनियरिंग की दृष्टि से विश्व की 10 उत्तम परियोजनाओं में चुना गया है। इस पर वोटिंग जारी है। संभावना है इसे विश्व की सर्वोत्तम मेट्रो का पुरस्कार प्राप्त हो।

दूसरे चरण में एयरपोर्ट को जोड़ने को प्राथमिकता

द्वितीय चरण की मेट्रो रेल परियोजना के बारे में उन्होंने कहा कि हो सकता है कि इसका विकास एलएण्डटी द्वारा ही किया जाए, लेकिन इसके लिए विश्वस्तीय प्रतिस्पर्धा का आयोजन किया जायेगा। इस चरण में रायदुर्ग से आउटर रिंग रोड द्वारा एयरपोर्ट, बीएचईएल से मियाँपुर, गच्ची बावली, मेहदीपट्टनम द्वारा लकड़ी का पुल और नागोल से एल.बी. नगर व फलकनुमा द्वारा एयरपोर्ट शामिल है।

एनवीएस रेड्डी ने कहा कि कुछ लोग इस परियोजना को रोकने का प्रयास कर रहे हैं। अदालत में इस संबंध में 360 याचिकाएँ दायर की जा चुकी हैं, जिसमें से 350 मामले मेट्रो के पक्ष में रहे। अब तक किये गये व्यय के बारे में एनवीएस रेड्डी और केवीबी रेड्डी ने बताया कि 13,000 करोड़ रुपये एलएण्डटी द्वारा खर्च किये जा चुके हैं। शेष परियोजना पर 2,500 करोड़ रुपये खर्च हो सकते हैं। इसके अलावा एचएमआर ने विभिन्न सुविधाओं के लिए 2,500 करोड़ रुपये खर्च किये हैं, जो परियोजना के मुख्य व्यय में शामिल नहीं है।